विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–3 | अंक–8 | जुलाई–सितम्बर, 2015

www.vidyabhawan.org

नई सदी में तर्कशील और वैज्ञानिक सोच वाली संस्था बने विद्या भवन

अजय सिंह मेहता
अध्यक्ष, विद्या भवन सोसायटी

विद्या भवन की शुरुआत 1931 में हुई जब देश गुलाम था और मेवाड़ एक सामन्तवादी रियासत थी। आज बेशक देश आज़ाद है मगर अच्छी शिक्षा और सही किस्म की नागरिकता का अभाव है।

डॉ. मोहन सिंह मेहता (भाई साहब) और उनके सहयोगी स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देना चाहते थे। उन्होंने एक स्कूल के द्वारा अपने संकल्प को पूरा किया। उनका सोचना था कि आज़ादी का सही स्वरूप तब ही माना जा सकता जब नागरिक समानता और प्रजातांत्रिक मूल्यों से प्रेरित, चरित्रवान व पर्यावरण प्रेमी हों। इन लक्ष्यों को लेकर उन्होंने विद्या भवन की स्थापना की।

विद्या भवन की शुरुआत 58 छात्रों से हुई। देश-विदेश में विद्या भवन के आदर्शों से लोग आकर्षित हुए। बहुत जल्दी विद्या भवन के शिक्षकों ने नाम कमाया। उनके त्याग, कौशल और मेहनत से समाज में विद्या भवन की विश्वसनीयता कायम हुई। सम्पन्न, मध्यम वर्ग और ग़रीब घर के लड़के-लड़कियाँ एक साथ पढ़ने लगें। स्कूल में सब ने अपने आपको बराबर महसूस किया। लिंग समानता भी स्कूल का एक प्रमुख मूल्य था। अन्य गतिविधियों के द्वारा बच्चों ने सहयोग और सहिष्णुता के मूल्यों को सहज रूप से ग्रहण किया। हाथ और दिमाग से काम करने का कौशल भी स्कूल के पाठ्यक्रम का अंग था। स्कूल में हर धर्म के बच्चे आते थे और सब धर्म की कद्र की जाती थी।

आज़ादी के पहले विद्या भवन का काफी विस्तार हो चुका था। गाँधी जी की नई तालीम से प्रेरित विद्या भवन बेसिक स्कूल का निर्माण हो चुका था। कला संस्थान और शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय भी खुल गए थे। आज़ादी के वक़्त तक विद्या भवन की पहचान देश-भर में हो गई थी।

इस कारण आज़ादी के बाद सरकार की मदद से विद्या भवन का और ज़्यादा विस्तार हुआ। 1956 में रुरल इन्स्टीट्यूट की स्थापना हुई। उस वक़्त पॉलिटेक्निक कॉलेज रुरल इन्स्टीट्यूट से जुड़ा हुआ था। सेनिटेशन का एक विशेष केन्द्र भी था। 1984 में कृषि विज्ञान केन्द्र भी विद्या भवन में खुल गया।

सरकारी मदद से जो विस्तार हुआ उसके दो पहलू थे। एक तरफ़ विद्या भवन की क्षमताएँ और साधनों में वृद्धि हुई, दूसरी तरफ संस्था की स्वायत्ता कम होती गई। संस्था में नए कार्यकर्ता आए उनका रुझान संस्था के मूल्यों से कम होता गया और सरकारी सुविधाओं की तरफ ज्यादा। धीरे-धीरे विद्या भवन का माहौल बदलने लगा। सन् 1978 में भाई साहब को भी अपने नीतिगत निर्णयों पर विरोध का सामना करना पड़ा एवं भाई साहब ने विद्या भवन छोड़ दिया। धीरे-धीरे विद्या भवन का माहौल उद्देश्यहीन हो गया। यह हालत 1994 तक कायम रही। 1994 में विद्या बन्धु संघ के सतत् संघर्ष की वज़ह से पुनः विद्या भवन नई दिशा में अग्रसर हुआ।

जगत साहब के नेतृत्व में संस्था अपने आतंरिक विवादों को ख़त्म करने में सफल रही। शिक्षा की दृष्टि से भी कई नवाचार हुए। दीवान साहब के नेतृत्व में शिक्षा संदर्भ केन्द्र का निर्माण हुआ। शिक्षा संदर्भ केन्द्र के अलावा विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिक संस्थान तथा प्रकृति साधना केन्द्र व पब्लिक स्कूल का निर्माण हुआ।

जगत साहब के बाद श्री वधावन साहब और श्री रियाज़ साहब ने न्याय संगत प्रशासन और नवाचार की परम्पराएँ कायम

शेष पृष्ठ 2 पर...

प्रकृति साधना केंद्र पर विद्या भवन की वर्षगांठ मनाने पहुँचे अतिथिगण

अंदर देखें...

- ✓ स्थापना दिवस – मेहता नए अध्यक्ष 3
- ✓ विचार उतरे कागज़ पर 4
- ✓ पॉलिटेक्निक नोडल सेन्टर 7
- ✓ पर्यावरण संरक्षण का जज़्बा 8
- ✓ द्विवर्षीय पाठ्यक्रम का लोकार्पण 9
- ✓ मछली पालन इकाई की स्थापना 13
- ✓ छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निर्माण 14
- ✓ रेनोवेशन का कार्य पूर्ण 16

सम्पादकीय...

विद्या भवन का नेतृत्व एक बार पुनः योग्य हाथों में है। अजय सिंह मेहता के अध्यक्ष पद को ग्रहण करने पर पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने भी खुशी व्यक्त की है। ऊर्जावान नए अध्यक्ष का विद्या भवन को नई ऊँचाईयों पर पहुँचाने की मंशा उनके द्वारा गठित विभिन्न कमेटियों एवं उनकी कार्यशैली से झलकती है। विद्या भवन का समाज के साथ जुड़ाव विद्या भवन स्कूल की विभिन्न गतिविधियों से दिख रहा है। इसका एक प्रमुख उदाहरण विद्या भवन की दीवार पर बच्चों के पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते चित्र व स्लोगन हैं। तीनों स्कूल के विद्यार्थी जिला व राज्य स्तर पर नेतृत्व कर रहे हैं और आगे तैयारी कर रहे हैं। इन्हें अध्यापकों का कुशल नेतृत्व प्राप्त हो रहा है।

स्वतंत्रता दिवस उत्सव में सहभागिता, लोकतंत्र प्रणाली का शिक्षा, विद्यार्थियों के हुनर बढ़ाने वाली गतिविधियाँ वृक्षारोपण, कार्यशालाएँ, परिचर्चा, प्रकृति का सान्निध्य न केवल विद्यार्थी बल्कि शिक्षकों में नई ऊर्जा का उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ की पाठ्यपुस्तक व मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का एमएड. एवं बीएड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम निर्माण करने में सहभागिता भी विद्या भवन की बड़ी उपलब्धि है।

आइये हम सभी मिलकर नए अध्यक्ष के साथ विद्या भवन के पुनर्निर्माण में सहयोग करें।

सलाहकार
हृदय काँत दीवान

संपादन
गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

अकादमिक परामर्श समिति की 43वीं बैठक विद्या भवन सोसायटी के नए अध्यक्ष अजय एस. मेहता के स्वागत से प्रारंभ हुई एवं पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन को उनके कार्यकाल में दिए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया।

अजय एस. मेहता ने विद्या भवन की वर्तमान संघर्ष की अवस्था से सदस्यों को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान में संस्था आर्थिक विषमता से जूंझ रही है जिसका असर आगे के छः महीने के वेतन की उपलब्धता को भी प्रभावित कर सकता है। ऐसी विषमता की स्थिति में आवश्यक है कि सभी सदस्य जो विद्या भवन से जुड़े हैं, वे सहयोग प्रदान करें।

इसके लिए उन्होंने दूरगामी निवेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया। किंतु उनका मानना था कि यह वर्तमान संदर्भ में विद्या भवन संघटन के स्वपोषित कार्यक्रम द्वारा संभव नहीं है।

अजय एस. मेहता का मानना था कि विद्या भवन के पुनर्निर्माण अभियान में इस संस्था से जुड़े प्रत्येक सदस्य को प्रोत्साहित एवं जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस कार्य में टॉप-डाउन प्रक्रिया नहीं होगी बल्कि प्रजातांत्रिक कार्य प्रणाली एवं नैतिक बाध्यता द्वारा उसे किया जाना चाहिए। उन्होंने सामूहिक निष्पत्ति को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई। उनके अनुसार शिक्षा संदर्भ केन्द्र की स्थापना के लिए दूरगामी प्रयास किया गया है।

अंत में उन्होंने कहा कि हम सब संरचनात्मक बदलाव की प्रक्रिया में है, इस समय आवश्यकता है कि विद्यार्थियों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान की जाए बिना किसी जाति, धर्म, लिंग भेदभाव के ताकि समाज की बेहतरी के लिए अच्छे नागरिक बनाए जा सके।

समिति अध्यक्ष ने व्यापक योजना की पुनर्निर्माण एवं क्रियात्मक कार्यक्रमों की आवश्यकता जताई। यह योजना एक आधार रूप का कार्य करेगी जिससे अनेक सहायक संगठनों से सहयोग प्राप्त हो सके। इस कार्यक्रम को तुरंत प्रभाव से करने हेतु संस्था प्रधान को प्रेरित किया तथा इस प्रक्रिया में प्रो. ए. बी. फाटक, प्रो. कमल महेन्द्रू से सहयोग का आग्रह किया। बैठक के अंत में पूर्व अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने खुशी व्यक्त की एवं विश्वास जताया कि उन्होंने विद्या भवन की बागडोर योग्य हाथों में सौंपी है।

रिपोर्टर : डॉ. दीपक गुप्ता

...पृष्ठ 1 का शेष

रखी। इस सबके बावजूद विद्या भवन में स्वायत्ता और स्वशासन की मानसिकता कायम नहीं हो पायी। ग्रांट-इन-एड शायद इसका एक कारण था।

सरकार ने 2011 में ग्रांट-इन-एड ख़त्म कर दिया। करीब 160 संस्था के सदस्य जो सरकारी तनख्वाह पर थे विद्या भवन को छोड़ कर सरकार में चले गए। सरकार के इस निर्णय से विद्या भवन को अपनी स्वायत्ता वापस लाने का अवसर मिला।

आज हमारे सामने ऐसा मौका है जहाँ हम कह सकते हैं कि संस्था का भविष्य हमारे हाथ में ही है। ग्रांट-इन-एड बन्द होने पर हम एक नई मैनेजमेंट कल्चर बना सकते हैं। जहाँ हर एक कार्यकर्ता विद्या भवन के मूल्यों से वाकिफ़ हो और उनके कार्यों में संस्था के मूल्य निहित हों।

आज विद्या भवन की वित्तीय स्थिति अत्यन्त कमज़ोर होने से कुछ ज़रूरी कार्य नहीं कर पाएंगे। इसके बावजूद मेरा पूरा विश्वास है कि विद्या भवन अपनी कठिनाइयों से उबर सकता है। हमारे पास टेलेन्ट और अच्छे कार्यकर्ताओं का भण्डार है। आपसी सहयोग से हमारी शैक्षणिक और प्रबन्ध व्यवस्थाओं को बेहतर बना सकते हैं। हम दुबारा से समाज में पूर्व की तरह हमारी विश्वयसनीयत कायम कर सकते हैं।

इसी आशा और नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

स्थापना दिवस – मेहता नए अध्यक्ष

विद्याभवन की 84वीं वर्षगांठ विद्याभवन प्रकृति साधना केन्द्र पर मनाई। मुख्य अतिथि पूर्व छात्र सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर डॉ. सी.पी. जोशी थे। इस मौके पर विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज तहसीन ने अपना अध्यक्षीय कार्यभार अजय मेहता को सौंपा। विद्याभवन की सभी संस्थाओं ने मिलकर सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया। बच्चों ने ट्रेकिंग का भी आनंद लिया। मुख्य अतिथि, संस्था के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं विद्यालय के पूर्व छात्रों ने वृक्षारोपण किया। समापन विद्याबंधु संघ द्वारा प्रस्तुत "विद्याबंधु" गीत से हुआ।

प्रगति से अवगत हुए अभिभावक

कक्षा 6 से 8 का प्रथम सामयिक जांच के बाद अभिभावक दिवस पर अभिभावकों को छात्र की प्रगति से अवगत कराया गया तथा परिणाम के साथ चर्चा की गई। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन में 75 अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्या ने अभिभावकों से बातचीत कर उन्हें बच्चों की स्कूल गतिविधियों में भागीदारी व विद्यालय योजनाओं से अवगत कराया।

स्वतंत्रता दिवस

विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया। मुख्य अतिथि विद्या भवन विद्याबंधु संघ की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा ने कहा कि हमें उपन्यासकारों, साहित्यकारों तथा क्रांतिकारियों के योगदान को याद करना चाहिए। विद्याबंधु जगमोहन दवे एवं गोपाल बम्ब भी उपस्थित थे। बच्चों ने मार्चपास्ट एवं पी.टी. प्रदर्शन किया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जूनियर स्कूल के 20 विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार किया। छात्र हिमांशु ने ड्रम बजाया। कक्षा 3 के बच्चों ने 'देश हमें देता है सब-कुछ.....' गीत प्रस्तुत किया।

परेड की सलामी लेते अतिथि

छात्र परिषद् का गठन एवं कैम्प

विद्यालय में अनुशासन, सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु छात्र परिषद् का गठन किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विद्यालय हेड बॉय, हेड गर्ल व पाँचों हाऊसेज़ के लीडर सहित 24 प्रमुख पदों पर शपथ दिलाई गई। हेड बॉय पुष्पेन्द्र सिंह एवं हेड गर्ल ईशिका राठौर बनीं। छात्र परिषद् ने प्रथम प्रशिक्षण का प्रारंभ नीमच माता पर ट्रेकिंग कर योगाभ्यास एवं व्यायाम से किया। इस मौके पर सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने कुशल नेतृत्व के साथ अनुशासनात्मक, स्वावलम्बन, दैनिक मूल्य एवं सामाजिक विकास पर चर्चा की। मध्याह्न में बच्चों की भागीदारी व सहयोग एवं उनकी ज़िम्मेदारियों पर समूह कार्य हुआ। परिषद ने प्रश्नोत्तरी, खेल व सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लिया।

खेल-कूद प्रतियोगिता, 2015

पराक्रम सिंह

जिला स्तरीय क्रिकेट अण्डर 19 में विद्यालय की क्रिकेट टीम सेमीफाईनल तक पहुंची। जिला स्तरीय नेहरू हॉकी अण्डर 15 में विद्यालय हॉकी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला स्तरीय कुश्ती अण्डर 19 में विद्यालय के बारहवीं के छात्र पराक्रम सिंह गहलोत ने 90 किलो वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र का चयन राज्य स्तर पर हुआ। इसी प्रतियोगिता में अण्डर 17 में मनीष मीणा व पंकज मीणा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हॉकी टीम तीसरे वर्ष भी अव्वल

हॉकी टीम (14 व 17 वर्ष छात्र) जिला स्तर पर प्रथम रही । 17 वर्ष छात्र प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम लगातार तीसरे वर्ष विजयी रही। हॉकी प्रतियोगिता (19 वर्ष छात्र) में विद्यालय की टीम तीसरे स्थान पर रही। जिमनास्टिक (14 वर्ष छात्र) में जयवीर नाथ चौहान द्वितीय रहे। जिला स्तरीय वॉलीवाल (19 वर्ष छात्र), क्रिकेट (14 वर्ष छात्र), बेडमिंटन (17 व 19 वर्ष छात्र) में टीमों ने भाग लिया। पहली बार विद्यालय की हॉकी टीम (14 वर्ष छात्र) ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया ।

कक्षा 12 के पराक्रमसिंह गहलोत कुश्ती (19 वर्ष छात्र) में राज्य स्तर पर तीसरे स्थान पर रहे।

विजेता टीम के साथ प्राचार्या एवं कोच

शिक्षकों का सम्मान

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर बेस्ट स्काउट मास्टर सुशील जोशी को सम्मानित किया। रोटरी क्लब द्वारा निर्मला तेली, संतोष मेनारिया, कविता जोशी, निलोफर मुनीर, रेणु जाधव, अनीस अहमद बेग, हरिओम अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, विजय गोयल व सुशील कुमार जोशी सम्मानित हुए।

"सांसे हो रही कम, पेड़ लगाएं हम"

दैनिक भास्कर व विद्याभवन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 'सांसे हो रही कम, आओ पेड़ लगाएं हम' विषयक वॉल पेन्टिंग द्वारा आम जनता को जागरूक किया। इस अवसर पर कई छात्रों ने फील्ड क्लब के सामने विद्यालय की दीवार पर चित्र बनाये।

डेयरी का अवलोकन

कक्षा 8 के विद्यार्थी कृषि विज्ञान केन्द्र में शैक्षिक भ्रमण हेतु गए। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधों, फसलों की जानकारी ली और डेयरी का अवलोकन किया। वहां विभिन्न नस्लों की गायों व बछड़ों तथा डेयरी से जुड़ी बातों पर चर्चा की।

शेष पृष्ठ 16 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते स्लोगन व चित्र के साथ विद्यार्थी

'एक पेड़, एक जिन्दगी'

दैनिक भास्कर की मुहिम "एक पेड़, एक जिन्दगी" अभियान के तहत विद्यालय से कोमल कंडारा, नम्रता राव, कोमल राणा, सुनिता डांगी, भावना नाथ, गायत्री वेद, मीना डांगी, हर्षवर्धन जोशी, लोकेश राजपूत ने भाग लिया। इस अभियान के अन्तर्गत सहेली मार्ग स्थित विद्या भवन सोसायटी की चहारदीवार पर पेंटिग्स बनाई तथा पर्यावरण सुरक्षा के स्लोगन भी लिखे।

स्वतंत्रता दिवस पर क्विज

स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम व क्विज रखा गया। विद्यालय शिक्षिका मंजु श्रीमाली तथा पुष्पा राजपूत ने विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास से रूबरू करवाया। इसी प्रस्तुतीकरण से विद्यार्थियों के लिये बहु विकल्पीय प्रश्न तैयार किए गए। बाद में विद्यार्थियों ने इस पर आयोजित क्विज में भाग लिया।

विचार उतरे कागज पर

जूनियर एवं सीनियर वर्ग के लिए निबन्ध प्रतियोगिता हुई। जूनियर वर्ग के लिए "स्वतन्त्रता दिवस" तथा सीनियर वर्ग के लिए "आदर्श नागरिक के रूप में देश के प्रति जिम्मेदारियाँ" विषय रखा गया। प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हिस्सा बने लोकतांत्रिक प्रणाली का

शाला पंचायत के चुनाव में विद्यार्थियों ने भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली का हिस्सा बनकर उसकी विशेषताओं व निर्वाचन प्रणाली का अनुभव प्राप्त किया। विद्यार्थी उम्मीदवारों ने आवेदन पत्र भरे, उन्हें चुनाव चिह्न आवंटित किए। यहां वयस्क मताधिकार का गुण भी अपनाया। कक्षा-कक्ष को मतदान बूथ बनाया गया तथा अंगुली पर स्याही लगाकर गोपनीय रूप से मतदान करवाया।

बाहर आई बच्चों की सृजनात्मकता

रक्षा बन्धन पर "राखी सृजन" का आयोजन हुआ। नन्हे-मुन्नों ने सुन्दर राखियां बनाई तथा नए प्रयोग कर सृजनात्मक कौशल प्रस्तुत किए। राखियों को मोती, कुन्दन, सितारे, रंगीन डोर से सजाया गया।

दंत समस्याओं के प्रति जागरूकता

कविशा डेन्टल एण्ड कॉस्मेटिक क्लिनिक के डॉक्टर निलेश भानावत ने विद्यार्थियों को दाँतों की साफ-सफाई, ब्रश करने का तरीका व दाँतों से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के उपचार बताए। विद्यार्थियों ने भी दाँतों की बीमारी से संबंधित प्रश्न पूछे।

वृक्षारोपण किया

विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। कक्षा-9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में स्वयं गड्ढे खोदे और विभिन्न किस्मों के वृक्ष रोपे।

अध्यापक-अभिभावक बैठक

प्रथम अध्यापक-अभिभावक बैठक रखी गई। जिसमें विद्यार्थियों के व्यवहार व परीक्षा परिणाम आदि के संबंध में अभिभावक से विचार-विमर्श किया गया।

वॉलीबॉल में द्वितीय स्थान

जिला स्तरीय वॉलीबॉल में बालिका टीम ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा-7 की तीन छात्राओं कैलाश कुंवर, सरोज राठौड़, रेणु राठौड़ का राज्य स्तर पर चयन हुआ। वे हनुमानगढ़ खेलने गई।

कैलाश कुंवर, रेणु राठौड़ एवं सरोज राठौड़

गुरू-गोविन्द दोऊ खड़े

विद्यालय में कृष्ण जन्माष्टमी तथा शिक्षक दिवस मनाए। विशिष्ट अतिथि विद्या भवन ओल्ड बॉयज् एसोसिएशन की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा तथा गांधीयन बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या सुगन शर्मा थीं। विद्यार्थियों ने जीवनी, गीत, कविता, नृत्य, नाटक की प्रस्तुति दी।

हिन्दी दिवस पर विभिन्न गतिविधियाँ

हिन्दी दिवस पर प्राइमरी सेक्शन में हिन्दी सुलेख, विचार अभिव्यक्त करना, कहानी सृजन, कविता पाठ, गीत, नाटक प्रस्तुत किए। कक्षा 5 की पायल पटेल ने हिन्दी दिवस के बारे में बताया।

बॉयोलोजिकल पार्क का भ्रमण

प्राइमरी के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण के लिए बॉयोलोजिकल पार्क गए। वहां बच्चों ने वन्य जीवों के बारे में लगाये सचित्र सूचना पट्ट से वन्य जीवों के बारे में जाना तथा जानवरों को स्वतन्त्र विचरण करते हुये देखा।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

पैंटिंग से उकेरा पर्यावरण का महत्त्व

विद्यालय सोसायटी और दैनिक भास्कर के सहयोग से 'एक पेड़ एक जिन्दगी' अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों ने फील्ड क्लब के सामने विद्या भवन की दीवारों पर पर्यावरण संरक्षण को दर्शातें भित्ती चित्रों का अंकन किया। भित्ती चित्र आते-जाते राहगीरों को बरबस आकर्षित करेंगे और सबको पेड़ बचाने व पेड़ लगाने का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण की सीख देंगे।

हिन्दी प्रतियोगिता में झलका उत्साह

विद्यालय के बच्चों ने महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा प्रचार संस्था, पुणे की ओर से आयोजित हिन्दी प्रतियोगिता में खूब उत्साह दिखाया। पहली से बारहवीं कक्षा के छात्रों ने हिन्दी के चित्राधारित प्रश्न, संख्या वाचन प्रश्नों, व्याकरण सम्बन्धी परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के रुचिपूर्वक उत्तर दिए। बच्चों ने बताया कि उनका कई नए शब्दों से परिचय हुआ। परीक्षा का उद्देश्य बच्चों में राष्ट्रभाषा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

भ्रमण में किया खूब मनोरंजन

प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थी फतहसागर भ्रमण पर गए। उन्होंने फतहसागर के बहते झरने को निहारा। विभूति पार्क में खेलने का आनन्द लिया।

कक्षा छठीं से दसवीं तक के विद्यार्थी नीमचमाता गए। उन्होंने उत्साहपूर्वक चढ़ाई पूरी की और वहां के प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारा।

सुरधि की राखी, भाई सबको

कक्षा तीसरी के आठवीं तक के विद्यार्थियों ने राखी बनाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। वो राखी बनाने की सामग्री लाए और आकर्षक, कलात्मक राखियाँ बनाई। प्रकृति शर्मा, चेतन चौबीसा, हर्ष मालवीय, दीया श्रीमाली, आरती दवे व सुरभि कुमावत की राखियाँ सर्वश्रेष्ठ रहीं। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में नवीन कलाकृतियों के सृजन एवं उनके विकास का उन्नयन करना है।

इंटरस्कूल ड्राइंग प्रतियोगिता

आईसीआईसीआई बैंक की ओर से प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 'माई फ्रेंड ऑर माई फेमिली' एवं उच्च प्राथमिक के विद्यार्थियों के लिए 'अवर नेशन' व माध्यमिक और उच्च माध्यमिक के विद्यार्थियों के लिए 'प्लेनेट' शीर्षकों के अन्तर्गत इंटर स्कूल ड्रांइग प्रतियोगिता हुई। बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सभी की चित्रकारी को सराहा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्यों बच्चों में चित्रकारिता के हुनर की दक्षता हासिल कराना था।

फतहसागर भ्रमण पर उत्साहित विद्यार्थी

ग्रीन इण्डिया, संदेश देते बच्चों के चित्र

'स्मॉल हैंड बिग आर्ट्स एन्वल एक्सप्लोरेशन 2015' के अंतर्गत विद्यालय के 23 विद्यार्थियों ने 'स्वच्छ भारत' शीर्षक पर आकर्षक चित्र बनाए। चित्रों के माध्यम से बच्चों ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने में हर भारतीय को स्वच्छ व शुद्ध विचार रखने व उनका क्रियान्वयन करने का संदेश दिया।

जुडो में चमके दो सितारे

जिला स्तरीय जुडों में विद्यालय के 12 बच्चों ने भाग लिया। कक्षा आठवीं की छात्र सुकीर्ति झाला व रवि लेगा ने स्वर्ण पदक जीते। दोनों का चयन राज्य स्तर पर हुआ। संजना मालवीया, वैभव कुमावत, जोहा परवीन आलिया ने रजत पदक तथा तुलसी मेघवाल, आरती दवे ने कास्य पदक हासिल किए। विद्यार्थियों ने देवीलाल रावत से प्रशिक्षण लिया।

'सड़क सुरक्षा जीवन की रक्षा'

'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान' विषयक कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के गुर सीखे। कर्नावटी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल, अहमदाबाद व आधार फाउण्डेशन के तत्वावधान में कार्यक्रम के निदेशक ने प्रोजेक्टर पर लापरवाही से वाहन चलाते सड़क हादसों की लाइव तस्वीरें दिखाई। उन्होंने ड्राइविंग लाइसेन्स बनाने हेतु आवश्यक दस्तावेजों से बच्चों को अवगत करवाया। प्रधानाचार्या ने हेलमेट पहनने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।

कलाम पर क्विज प्रतियोगिता

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन से सम्बन्धित अनेक सूचनाओं का संकलन कर बच्चों ने सॉफ्ट बोर्ड पर प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने इसका अवलोकन कर क्विज में भाग लिया। बच्चों से अनेक बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे गए।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

हिन्दी का व्यावहारिक प्रयोग बढ़े

हिन्दी विभाग की ओर से हिन्दी सप्ताह मनाया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के. के. शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद भाषायी विवाद बढ़े हैं। उन्होनें हिन्दी भाषा का व्यावहारिक प्रयोग बढ़ाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. एल.एल. वैरागी ने कहा कि आज भारत में मध्यम और संभ्रान्त वर्ग की सोच के चलते हिन्दी पिछड़ी है। आधुनिकता की आड़ में हमने अपनी राष्ट्रीयता की पहचान को संकट में डाल दिया है।

निदेशक डॉ. टी.पी. शर्मा ने उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित निबंध में परम निमावत, सामान्य ज्ञान में प्रियंका कुमारी, आशु भाषण में दीपेश चतुर्वेदी, कविता पाठ में लक्ष्मण सिंह राजपूत और वाद-विवाद में दीपशीखा भटनागर (पक्ष) व लक्ष्मण सिंह राजपूत (विपक्ष) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्नातक के साथ करें डिप्लोमा

सी. ए. पंचम मेहता ने दो दिवसीय करियर जागरूकता सत्र लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि बारहवीं तथा स्नातक परीक्षा के बाद कौनसी प्रतियोगी परीक्षा दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्नातक के साथ डिप्लोमा कोर्स करके रोजगार की तरफ बढ़ सकते हैं। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा के मुख्य विषय व उनकी तैयारी से अवगत करवाया।

निवेश योजनाओं के बारे में जाना

रिजनल इन्वेस्ट कोर्डिनेटर अविनी कुमार ने व्याख्याताओं को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि किन योजनाओं में कितने समय के लिए और कहां पैसा निवेश करें। उन्होंने सुझाव दिया कि आय के अनुसार वेतन को कहां निवेश करें ताकि सेवानिवृत्ति पर अधिक लाभ प्राप्त हो सके।

इग्नू की ओर से प्रेसवार्ता

महाविद्यालय में इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव ने केन्द्र पर प्रेसवार्ता कर इग्नू पाठ्यक्रम व परीक्षा की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान भी किया।

सूचना तकनीकी पाठ्यक्रम पर वार्ता

एनआईआईटी के सह निदेशक ने कंप्यूटर के विद्यार्थियों को सूचना तकनीकी पाठ्यक्रमों एवं उसमे सम्भावनाओं संबंधित वार्ता दी। वार्ता के बाद छात्रों को एसाइन्मेंट दिया एवं समूह चर्चा के बाद प्रस्तुतीकरण किया।

पौधों के देखरेख की जिम्मेदारी

उदयपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार महाविद्यालय प्रांगण में 100 पौधों का रोपण किया गया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उनके देखरेख की जिम्मेदारी ली।

एन.एस.एस. के विद्यार्थी

सबा खान को अवार्ड

रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सबा खान को शिक्षक दिवस पर अकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड-2015 से नवाजा गया। राजस्थान स्पेक्ट्रम तथा प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर एंड मेनेजमैंट असोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में उन्हें यह पुरस्कार शिक्षा क्षेत्र में विगत 15 वर्षों से किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया।

बाबूलाल विवि स्तर पर द्वितीय

एम. एससी. पूवार्द्ध के छात्र बाबूलाल पटेल ने महाविद्यालय मुख्य परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रसायन विज्ञान विभाग के इस विद्यार्थी ने विश्वविद्यालय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

रक्तदान के महत्त्व पर व्याख्यान

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के शिविर में स्वयंसवकों ने श्रमदान कर पौधरोपण किया एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस मौके पर बड़गांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की चिकित्सक ने स्वयंसेवकों को 'जीवन में रक्तदान के महत्त्व' विषय पर व्याख्यान दिया।

स्वच्छता पर प्रश्नोत्तरी

सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छ भारत प्रश्नोत्तरी हुइ। प्रश्नोत्तरी में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

स्मार्ट एप्रोच अपनाएं

देश को सामाजिक-आर्थिक एवं तकनीकी रूप से श्रेष्ठ बनाने के लिए तकनीकी शिक्षा संस्थानों को स्मार्ट एप्रोच पर कार्य करना होगा। ये विचार राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. एम.पी. पूनिया ने तकनीकी शिक्षकों की क्षमता अभिवृद्धि विषयक लघु अवधि कार्यशाला में व्यक्त किये। आई.सी.टी. के माध्यम से आयोजित कार्यशाला में उदयपुर, चित्तौड़गढ़ व राजसमन्द के पॉलीटेक्निक प्राध्यापकों ने भाग लिया।

स्मार्ट सिटी पर हुई चर्चा

स्मार्ट सिटी योजना तथा अमृत शहरी मिशन के तहत उदयपुर, विकास के नए आयाम छू सकता है। इसके लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है। यह राय मेयर चन्द्र सिंह कोठारी तथा प्रबन्धन विशेषज्ञ के.बी. कोठारी के सान्निध्य में परिचर्चा में उभरी। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक परिसर में हरित राजस्थान अभियान का आगाज हुआ। विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया।

बीएसएफ स्वर्ण जयंती पर वृक्षारोपण

सीमा सुरक्षा बल के स्वर्णजयंती पर बी. एस.एफ. 146 बटालियन के जवानों ने दो हजार वृक्षों का रोपण किया। मुख्य कार्यक्रम विद्या भवन परिसर में हुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र तथा आंगनवाड़ी ट्रेनिंग सेन्टर तथा डा. मोहन सिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट ने भी सहभागिता की। विद्या भवन परिसर में पांच सौ पौधे तथा कविता स्थित बी.एस.एफ छावनी में पन्द्रह सौ पौधे रोपे गये।

बीएसएफ जवानों के संग वृक्षारोपण

महापौर चन्द्र सिंह कोठारी के साथ सी.डी.टी.पी. प्रशिक्षणार्थी

सी.डी.टी.पी. प्रशिक्षण पूर्ण

महाविद्यालय के कम्युनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक योजना के तहत महापौर चन्द्र सिंह कोठारी ने विभिन्न छः माही स्किल डवलपमेन्ट प्रशिक्षणों के सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। प्रशिक्षणार्थियों ने कहा कि वे प्रशिक्षण के पश्चात छः हजार से अठारह हजार तक आमदनी कर पा रहे हैं।

सेनिटेशन कॉन्फ्रेन्स में सहभागिता

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनिल मेहता एवं शिव प्रकाश कुर्मी ने दिल्ली में सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च तथा कोन्फडरेशन ऑफ इन्डियन इण्डस्ट्री द्वारा आयोजित सेनिटेशन विषय पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स में भाग लिया।

आई.ए., ए.एस. ऑफिसर्स को प्रशिक्षण

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनिल मेहता ने इन्टरनेशनल सेन्टर फॉर एन्वायरमेंन्ट ऑडिट एण्ड सस्टेनेबल डवलपमेन्ट, सी.ए.जी., भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में 'एन्वायरमेंन्ट ऑडिट' पर आई.ए. एण्ड ए.एस. ऑफिसर्स को प्रशिक्षण दिया।

"रीविट सॉफ्टवेयर" पर कार्यशाला

सिविल इंजीनियरिंग विभाग एवं सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में "रीविट सॉफ्टवेयर" पर छः दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। ऑटो केड के एडवांस्ड सॉफ्टवेयर रीवेट के माध्यम से विद्यार्थियों को ड्राइंग बनाना, सिविल स्ट्रक्चर इपिस्क व बिल्डिंग का थ्रीडी एनिमेशन बनाना सिखाया। इसी प्रकार एनिमेन्टर एकेडमी द्वारा ऑटो केड पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ।

बायो रेमेडिएशन पर सेमिनार

प्राकृतिक व जैविक तरीकों से ही आयड़ नदी सहित राजस्थान के समस्त तालाबों व नदियों का प्रभावी उपचार हो सकता है। यह विचार प्रदूषण-संदूषण निवारण पर विश्व की वैज्ञानिक संस्था सी.आर.सी. केयर आस्ट्रेलिया के प्रमुख प्रो. रवि नायडू ने व्यक्त किए। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने सेनिटेशन पर्यावरण, समान शिक्षा के अन्तर्सम्बंधों पर मार्गदर्शन दिया।

पॉलिटेक्निक नोडल सेन्टर

चीफ मिनिस्टर एडवाइजरी कमिटी के तहत "एम्प्लोयबिलिटी ऑफ द स्टूडेन्ट्स अन्डर एक्शन टेकन रिपोर्ट" विषयक बैठक में महाविद्यालय के पॉलिमर साइंस एवं रबर टेक्नोलोजी के विभागाध्यक्ष ओ.पी. शर्मा ने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया एवं अच्छे परिणाम, प्लेसमेन्ट विषयों पर राय दी। पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को उदयपुर क्षेत्र का सी.एम.ए.सी. का नोडल सेन्टर बनाया गया है।

देवीलाल प्रथम, प्रवेश द्वितीय

महाविद्यालय के पॉलिमर साइंस एवं रबर टेक्नोलॉजी पोस्ट डिप्लोमा के विद्यार्थी देवीलाल कुमावत एवं प्रवेश खुशलानी ने रबर टेक्नोलॉजी सेन्टर आई.आई.टी. खड़गपुर की डिप्लोमा इन इन्डियन रबर इन्स्टीट्यूट (डी.आई.आर.आई) परीक्षा में सम्पूर्ण भारत में क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

पक्षियों के स्वभाव को समझा

प्रकृति साधना केन्द्र भीलों का बेदला में विद्या भवन पब्लिक स्कूल कक्षा-8 के विद्यार्थियों का एक दिवसीय नेचर ट्रीप प्राचार्या नीरजा जैन के निर्देशन में हुआ। स्कूल के 27 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वहाँ उन्होंने प्रकृति में रहकर विभिन्न प्रकार की शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया। इस मौके पर सुबह के सत्र में गुजरात के समाज सेवी व गैर सरकारी संगठन के कार्यकर्ता मेहर भारद्वाज ने विद्यार्थियो को योग प्रशिक्षण दिया। इसके पश्चात् वनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें वन में रहकर पक्षियों के स्वभाव, रहने की पद्धति, वन में रहकर कैसे चलना-बोलना तथा पाये जाने वाली विभिन्न गतिविधियों को बताया। प्रकृति साधना केन्द्र के निदेशक डॉ. आर. एल. श्रीमाल ने ट्रेकिंग करवाते हुए कई प्रकार की पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुओं जैसे फल, बीज, टहनी, पुष्प आदि का संग्रहण कर पहचान करवाई। चिरमी (रत्ती) नामक बेल जो लुप्त हो रही है उसकी महत्ता भी बताई। विद्या भवन सोसायटी के एच. आर. भाटी ने मानव अधिकार एवं उनके कार्यो की जानकारी दी।

पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी योग करते हुए

नन्हें बच्चे प्रकृति से रूबरू

विद्या भवन नर्सरी स्कूल के सतसठ नन्हें बच्चों ने प्रभारी शगुफ्ता के नेतृत्व में विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र में प्रकृति भ्रमण किया। प्रकृति में रहकर वनस्पति, पक्षी तथा घोसलों के संबंध में पक्षीप्रेमी विनय दवे ने बच्चों को महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। बच्चों सहित संकाय सदस्यों ने उनसे उत्सुकतापूर्वक जानकारी ली तथा अपनी समस्याओं का निराकरण किया। विद्या भवन शिक्षा केंद्र की नेहा व पंखुड़ी ने कविता के माध्यम से पेड़-पौधों की संरचना एवं प्रकृति के बारे में समझाया। कई बच्चों ने पर्यावरण संबंधी कविताएं सुनाई। बच्चे केन्द्र पर विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी तितलियों को देखकर खुश हुए। प्रकृति भ्रमण द्वारा बच्चों ने पर्यावरण के बारे में कक्षा में पढ़ी हुई बातों को वास्तविकता में देखा व अनुभव किया।

प्रकृति का आनन्द उठाते हुए नन्हें–मुन्ने

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

पर्यावरण संरक्षण का जज़्बा

विद्या भवन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के द्वितीय वर्ष के छात्र मयंक कुमावत ने प्रशिक्षण केन्द्र के बगीचे से दंबोई सांप पकड़ा बाद में इसे सज्जनगढ़ अभयारण्य छोड़ दिया गया। साँपों के प्रति प्रेम रखने वाले मयंक ने बताया की जीव जन्तु को संरक्षित करना जरूरी है, ये पर्यावरण के सन्तुलन में सहायक होते हैं। इस दौरान आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ता व प्रशिक्षणार्थियों ने दंबोई को छुआ और जाना कि हर साँप जहरीला नही होता है। यह चूहे का शिकार करती है।

अच्छा! दंबोई ऐसी होती है।

माँ का दूध नहीं कुछ दूजा, बाल विकास ही उत्तम पूजा

जन्म के पहले छः महीने तक नवजातों को केवल स्तनपान करवाना चाहिए। इसके बाद ऊपरी आहार देना शुरू करना चाहिए। इससे बच्चों में प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ती है तथा वे कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (निपसीड) दिल्ली में आयोजित 4 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान दी गई। प्रशिक्षण में स्तनपान के तरीके, फायदे व इस दौरान आने वाली समस्याओं, माताओं से परामर्श, ऊपरी आहार के महत्त्व भी बताए। प्रशिक्षण में विद्या भवन आँगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र की अनुदेशिका वर्षा चौधरी ने भाग लिया। प्रशिक्षण में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र की अनुदेशिकाओं ने नवजातों के स्वास्थ्य का प्रशिक्षण लिया।

शैक्षणिक स्तर बढ़ाने को प्रेरित किया

तीन माह के दौरान प्रशिक्षण में आई कार्यकर्त्ताओं व सहायिकाओं मे से 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं पास महिलाओं व उनके बच्चों, जिन्होंने बीच में पढ़ाई छोड़ दी, के लिए आगामी कक्षा हेतु फार्म भरवाए गए। इनामें से स्नातक थे उन्हें स्नातकोत्तर, बी. एड., एन.टी.टी. तथा नर्सिंग कोर्स हेतु फार्म भरवाकर शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

स्वतंत्रता दिवस समारोह में शिरकत करते विद्या भवन के कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी

स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया

विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने विद्या भवन परिवार के समस्त कार्यकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि नए दौर में हमारे सामने कई कठिनाइयां है लेकिन हमें हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से ही देश सही रूप से स्वतंत्र हो सकता है। आजादी के सफर में विद्या भवन का भी बहुत फैलाव हुआ है और इस दौरान विद्या भवन ने अच्छे जिम्मेदार नागरिक बनाने की जिम्मेदारी निभाई है। जिस आजादी के लिए हमने लड़ाई लड़ी उस कल्पना से ही हम विद्या भवन को भी मजबूत बना सकते हैं। संस्थान की निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि हमें आजादी के मूल्य को समझना होगा।

भित्ति पत्रिका का अनावरण

मनाया हिन्दी दिवस

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस को भाषा दिवस के रूप में मनाया। एम.एड. विद्यार्थियों ने स्वरचित एवं संकलित कविताएँ, गीत प्रस्तुत किये व भाषा पर भित्ति पत्रिकाओं में भाषा से सम्बन्धित लेखकों, साहित्यकारों कवियों की रचनाओं, अब तक हुए हिन्दी सम्मेलनों को पिरोया। भित्ति पत्रिकाओं का अनावरण निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने किया।

नई शिक्षा नीति की रचना में पूर्व स्नातक भागीदार बनें– प्रो. नागर

महाविद्यालय में पढ़े पूर्व छात्रों के "स्नातक परिषद्" सम्मेलन में करीब 30 पूर्व स्नातकों ने भाग लिया। निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर ने आह्वान किया कि पूर्व छात्र नई शिक्षा नीति के निर्माण में अपना योगदान प्रदान करें। इस हेतु शैक्षिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाना चाहिए। स्नातक परिषद सदस्य प्रो. डी. एन. दानी ने कहा कि अपनी स्थापना से ही विद्या भवन यहां पढ़ रहे छात्रों को विशेष सम्मान देता रहा है। पूर्व निदेशक प्रो. एम. पी. शर्मा ने कहा कि यह हमारे स्नातकों के महत्त्वपूर्ण विचारों के मंथन का मंच होना चाहिए।

चुनौतियों पर विचार मंच

महाविद्यालय कार्यक्रम सलाहकार परिषद की बैठक में कोटा, बारां और उदयपुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षा प्रकोष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्ष पर्यन्त होने वाले सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की वस्तुस्थिति, चुनौतियां और समस्याओं के संभावित समाधानों पर एक विचार मंच उपलब्ध करवाना था। सीटीई प्रभारी प्रो. सुषमा तलेसरा ने शोध प्रस्तावों और रमसा के प्रशिक्षणों और आगे के अन्य प्रशिक्षणों की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय की निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम की चुनौतियों एवं उसके लिए विद्यालयों की भागीदारी पर समेकित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

'आदर्श शिक्षक' विषय पर कार्यशाला

महाविद्यालय में शिक्षक दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व मनाया। इस मौके पर "आदर्श शिक्षक" विषय पर कार्यशाला में एम. एड. के विद्यार्थियों ने प्राध्यापकों की सहभागिता में समूह कार्य किया और मानस मंथन कर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस उपलक्ष में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दीं।

कार्यशाला को संबोधित करते अतिथि

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम का लोकार्पण

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा बी. एड. का नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम दो वर्षों का है जो इस सत्र से विश्वविद्यालय से संबंधित शिक्षक महाविद्यालयों में लागू होने जा रहा है। नए पाठ्यक्रम पर विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों का फीडबैक प्राप्त हुआ है। इस आधार पर कुछ और मुद्दों को शामिल किया जाना है। इसी को ध्यान में रखते हुए मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की ओर से दो दिवसीय "द्विवर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम में अहम मुद्दे" विषयक कार्यशाला हुई। कार्यशाला में विश्व विद्यालय से संबंधित शिक्षक महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं संकाय सदस्य, शिक्षाविद् एवं संदर्भ व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को कैसे प्रभावी रूप से लागू किया जाए एवं आगे इस पाठ्यक्रम के क्या मजबूत पक्ष हों इस पर भी चर्चा की गई।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्तियां

विद्या भवन सोसायटी के मानव संसाधन विभाग की ओर से विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं में 18 शैक्षिक और गैर शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्तियां की गई। इनमें विद्या भवन पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, गणित और विज्ञान विषय के लिए चारू आशीष भटनागर, रुचि शर्मा, कृति आमेटा और अमिता मेनन को नियुक्तियां दी गई। विद्या भवन रामगिरि स्कूल में अंग्रेजी के दो अध्यापकों मोहम्मद रिजवान तथा नितिन नाथ को नियुक्ति दी गई। विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में चंचल सेन, ज्योति शर्मा, हेमलता मीणा तथा वंदना बडालार की बतौर अध्यापक तथा खुशबू कुमावत ने सहायक लेखाधिकारी के पद पर सेवा प्रारंभ की। इसी प्रकार, विद्या भवन एसटीसी में नेहा मुर्डिया ने गणित तथा भेरूसिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र पर फार्म मैनेजर का पदभार ग्रहण किया। महेन्द्रसिंह चौहान तथा आनंद भावसार ने विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में लेब असिसटेन्ट के पद पर तथा तरुणा चौहान को सहायक लेखाधिकारी के पद पर विद्या भवन सोसायटी में नियुक्ति दी गई। भैरूलाल गमेती तथा जगदीश लाल गायरी को विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय में सहायक के पद पर नियुक्ति दी गई।

संस्थाओं में समन्वय जरूरी

विद्या भवन के तीनों विद्यालयों में आपसी समझ को सुदृढ़ बनाने एवं साधन सुविधाओं का प्रभावी आदान-प्रदान एवं संवाद बनाने तथा अच्छी शिक्षा क्या है इसके बारे में हमारी समझ भी बने और समाज में भी समझ बनाने का प्रयास किया जाए। इस संदर्भ में एक कमेटी बनाई गई। इस कमेटी की विद्या भवन के केन्द्रिय कार्यालय में बैठक रखी गई। जिसकी अध्यक्षता विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने की।

बैठक में ई.एच. क़ाजी, मधुलिका कोठारी, निरजा जैन, शगुफ्ता अंजुम, रेणु जाधव, प्रसून कुमार, हेमराज भाटी, कर्नल उदयभान सिंह राणावत ज़ाहिद मोहम्मद, एस. पी. गौड़, गिरीश शर्मा द्वारा विविध पहलुओं पर चर्चा के बाद विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि विद्या भवन की सभी संस्थाओं के बीच आदान-प्रदान की भावना को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्या भवन अच्छी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसको हमें दुबारा समाज को समझाने का प्रयास करना पड़ेगा। समाज में यह बात कैसे जाए इसके लिए विद्या भवन का एक ब्रोशर तैयार हो जिससे अभिभावकों को विद्या भवन के मूल्यों और संसाधनों के बारे में भी पता चलेगा। हमें समग्रता में तीनों स्कूलों को देखना होगा। तीनों स्कूलों की एक संयुक्त अभिभावक बैठक होनी चाहिए जिसमें हमें विद्या भवन की सुविधाओं और विशेषताओं के बारे में उन्हें बताना होगा। हमें समाज का दुबारा विश्वास जितना होगा। मध्यम वर्ग की गलत फहमियां तोड़नी होगी। अभिभावक को यह समझाना होगा कि प्रत्येक बच्चा अलग होता है। अभिभावकों को इस बात पर खुशी होनी चाहिए कि उसका बच्चा अंग्रेजी नहीं तो कम से कम हिन्दी तो अच्छी जानता है बजाए इसके कि वह दोनों ही भाषाएं ठीक से नहीं लिख पा रहा हो। समाज के जो प्रबुद्ध लोग हैं उन्हें विद्या भवन के बारे में बताया जाए। इससे भी लोगों के अंदर एक सकारात्मक सोच आएगी कि विद्या भवन की ऐसी विशेषताएं हैं। हमारे यहां खेल मैदान हैं, संसाधन हैं और पीटीआई भी हैं। अतः खेलों को और व्यवस्थित करना चाहिए।

आगे की बैठक के लिए चर्चा के संभावित बिन्दु-

- छोटे-छोटे कदम, जो उठाए जा सकते हैं, क्या हों? उससे सतता बनी रहे।
- विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रकृति साधना केन्द्र, विद्या भवन पॉलिटेक्नीक कॉलेज और शिक्षा संदर्भ केन्द्र के साथ तीनों स्कूलों का संवाद कैसे प्रभावी हो?
- प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री, प्रो. कमल महेन्द्रू, प्रो. ए. एल. खन्ना से तीनों स्कूलों के बच्चे एवं अध्यापकों के बीच अंतःक्रिया कैसे हो?

समान अवसर समिति का गठन

विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष पद पर अजय मेहता ने पदभार ग्रहण करने के बाद विद्या भवन सोसायटी में सर्वोच्च समान अवसर विषयक समिति के गठन की स्वीकृति प्रदान की। इस समिति के अन्तर्गत विद्या भवन की प्रत्येक संस्था में एक समान अवसर विषयक 'सेल' की स्थापना इस उद्देश्य से की गई जिससे समाज के वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के हितों के संबंध में प्रयास किए जाएंगे। साथ ही राजस्थान सरकार और उदयपुर स्तर पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वयक स्थापित करते हुए अनु. जाति, अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों से संपर्क साधकर उन्हें इस वर्ग के विद्यार्थियों को विद्या भवन में प्रवेश लेने के लिए समझाया जाएगा।

वेतन में वृद्धि

विद्या भवन में सहायकों के पद पर कार्यरत कार्यकर्ताओं (जो पहले दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्यरत थे तथा जिन्हें विद्या भवन सोसायटी के सेवानियमों 2013-14-15 के अंतर्गत नियमित किया गया) का वेतन 2.9.2015 से 520 रु. प्रतिमाह वृद्धि की गई।

क्रमोन्नत

ई.एच. काज़ी को विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि के प्राचार्य के रूप में क्रमोन्नत किया गया। इससे पूर्व ई.एच. काज़ी विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

शांति के लिए परिचर्चा में भाग लेते विशेषज्ञ, प्रदर्शनी का अवलोकन करते रियाज़ तहसीन और नाटक का मंचन

शांति के लिए परिचर्चा

विद्या भवन सोसायटी और महाविद्यालय के गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र ने अन्तर्राष्ट्रीय विश्व शांति दिवस मनाया। परिचर्चा "शांति के लिए सहभागिता, सभी की गरिमा" में विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन, सेवा मंदिर संचालिका प्रियंका सिंह, मनोविज्ञानविद् डा. गायत्री तिवारी एवं वन सरंक्षक अधिकारी डॉ. सतीश शर्मा ने विचार रखे। नाट्यांश संस्थान द्वारा 'बंदरों के मदारी' नाटक का मंचन व केन्द्र की गतिविधियों की प्रदर्शनी लगी।

नैतिकता विहिन ज्ञान की स्मृति

हिरोशिमा दिवस पर उदय मेहता ने कहा कि नैतिकता विहिन ज्ञान विश्व का विध्वंस कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में धैर्य व शांति की पालना का आग्रह किया। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने गांधी शांति प्रतिष्ठान के 50 वर्षों के कार्यों के प्रतिवेदन का विमोचन किया।

हिरोशिमा दिवस पर संबोधित करते हुए श्री मेहता

अहिंसा की शपथ लेते विद्यार्थी

जीपीएफ ने मनाई साराभाई जयंती और लोकतंत्र दिवस

गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र के प्रभारी यतीन चौबीसा एवं अरुणा माथुर के प्रयास से विक्रम साराभाई जयंती पर बेसिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए साराभाई के जीवन एवं योगदान से संबंधित संदर्भ सामग्री प्रदर्शित की। अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर रा.बा.उ.प्रा. विद्यालय, थूर में विद्यार्थियों से लोकतंत्र का अर्थ व नागरिकों की जिम्मेदारी पर चर्चा कर मौलिक अधिकार से संबंधित फिल्म दिखाई।

सेमीनार में शिरकत

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने निम्बार्क शिक्षक महाविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा : विकल्पों की तलाश" विषयक सेमीनार में भाग लिया। प्राध्यापक डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वि वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के मुद्दे विषयक समीनार में भाग लिया।

विद्यालय अनुभव बेहतर कैसे बनायें?

संस्थान में 'अध्यापन अभ्यास बेहतर कैसे बनाएँ?' विषयक संवाद हुआ। संवाद में 15 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नवीन बी.एड. पाठ्यक्रम से अवगत कराया। प्रधानाचार्यों ने अध्यापन अभ्यास कार्यक्रम का फीडबैक दिया।

पुस्तक मेले में सुनी कहानी

महाविद्यालय विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले से पुस्तकें खरीदी। विद्यार्थियों ने "आओ कहानी सुने" सत्र में प्रख्यात लेखक शेखर सरकार एवं देवेन्द्र मेवाड़ी से कहानी लिखने के तरीके सीखे।

'गधापुरी के अच्छे दिन' का मंचन

भावी शिक्षकों को थियेटर से जोड़ने के उद्देश्य से महाविद्यालय में सामाजिक-राजनैतिक थियेटर समूह 'आगाज' की टीम ने 'गधापुरी के अच्छे दिन' का मंचन किया। स्मार्ट सिटी, व्यवसायीकरण, किसानों को जमीन का विकास के नाम पर अधिग्रहण व जनसमस्या के समाधान की भागीदारी पर चर्चा हुई।

साइंस एक्सप्रेस देखी

विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने साइंस एक्सप्रेस क्लाइमेट चेंज स्पेशल ट्रेन देखी। विद्यार्थियों ने इसके विभिन्न कोच में ग्लोबन वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, वाटर हार्वेस्टिंग, क्लाइमेट चेंज के प्रभाव को विभिन्न मॉडल्स व प्रयोगों द्वारा समझा।

रोल प्ले, पैनल चर्चा अधिगम

विद्यार्थियों ने प्राध्यापक तारा कुमावत के निर्देशन में पैनल चर्चा में भाग लिया। चर्चा का विषय गांधी की शिक्षा का अर्थ, प्रकृति व उद्देश्य था। इसी प्रकार, व्यक्तित्व को रोल प्ले तथा चर्चा द्वारा समझा। विद्यार्थियों ने सहयोगात्मक अधिगम द्वारा संगीत विषय को जाना।

कलाम के विचारों को उकेरा

विद्यार्थियों ने डॉ. कलाम की जयंती पर स्लोगन लिखे व पोस्टर बनाए। निकिता पालीवाल एवं गीता भट्ट स्लोगन में तथा नेहा श्रेष्ठ पोस्टर में प्रथम रही। निर्णायक विद्या भवन कला संस्थान के डॉ. मोहनलाल जाट व बेसिक स्कूल की मंजु श्रीमाली थीं।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

प्रशिक्षणार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया

प्रथम वर्ष में नवीन प्रवेश पाने वाले छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया का कार्य सम्पादित किया गया। प्रथम वर्ष मे आवंटित सभी 50 सीटों पर छात्रों ने संस्थान में अपनी रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रवेश के बाद नियमित कक्षाएं प्रारम्भ की गई।

विद्यालय के पहलुओं का अवलोकन

विद्यार्थी शिक्षकों में विद्यालय एवं कक्षा शिक्षण की समझ विकसित करने के उद्देश्य से विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम हुआ। वे विद्यालयों में अवलोकन को गए। उन्होंने विद्यालय के विविध पहलूओं का अवलोकन किया। अवलोकन के पश्चात् पर्यवेक्षकों व विद्यालयों के प्रधानाध्यापक द्वारा मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थी शिक्षक बागोर की हवेली अवलोकन के लिए भी गए। संग्रहालय के विभिन्न कक्षों शाही शादी, कठपुतली कक्ष, पगड़ी संग्रह, हथियार संग्रह और खेल कक्ष देखा। गणगौर घाट पर लोकवाद्य यंत्रों के साथ लोकगीतों का आनन्द उठाते हुए जगदीश मंदिर का इतिहास भी जाना। अवलोकन कार्यक्रम से प्राप्त अनुभवों का प्रतिवेदन प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक ने बड़े समूह में प्रस्तुत किया।

विद्यालय अवलोकन के अनुभव सुनाते विद्यार्थी

शिक्षक बन विकास में योगदान दें

कला संस्थान में नवागंतुक विद्यार्थी शिक्षकों का अभिनंदन तथा द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए विदाई समारोह पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। प्रतिभागियों ने राजस्थानी, फिल्मी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि विद्या भवन सोसायटी के शैक्षिक सलाहकार प्रो. कमल महेन्दू ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि उन्हें अच्छा शिक्षक बनकर समाज और देश के विकास में अहम् योगदान देना है। विशिष्ट अतिथि प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने कहा विद्यार्थी को रुचि के अनुसार अपना क्षेत्र चुनना चाहिए तभी वे उस काम में आनन्द ले सकेंगे।

संस्था प्रधान उन्मुखीकरण कार्यक्रम

बी.एस.टी.सी. नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार स्थानीय परिसर में 5 राजकीय व 1 निजी विद्यालय के संस्था प्रधानों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ। प्राध्यापक पूनम दवे ने संस्था प्रधानों को गतिविधियों, क्रियाकलापों, नियमों, अंक विभाजन एवं अंक प्रदान की प्रक्रियाओं से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. भगवती अहीर ने संस्था प्रधानों एवं शिक्षको से चर्चा कर इन नवीन व्यवस्थाओं के उद्देश्यों को बताया।

वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाएँ

सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण की क्रियात्मक परीक्षा नीमच खेड़ा विद्यालय में हुई। प्रथम वर्ष की यह परीक्षाएँ नए पाठ्यक्रम के अनुसार हुई जिसमें मौखिक परीक्षा का भी मूल्यांकन किया गया। विद्यार्थी शिक्षकों ने गतिविधि आधारित पाठ योजना का निर्माण किया। वे कुछ योजना डायरी अपने साथ ले गये ताकि एस.टी.सी. बीकानेर को इन बेहतरीन प्रयासों से अवगत करा इनका अनुकरण करने का प्रयास किया जा सके।

कम्प्यूटर प्रायोगिक कक्षाएँ

संस्थान में पाँच दिवसीय कम्प्यूटर प्रायोगिक कक्षाएँ चलीं। प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के 70 छात्रध्यापकों ने कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी एम.एस. वर्ल्ड, एक्सल, पॉवर पोइंट, पेन्ट संबंधित प्रायोगिक कार्य सीखा।

शैक्षिक-सहशैक्षिक गतिविधियाँ

परिषद गोष्ठी- मंगलवार का प्रथम कालांश परिषद् गोष्ठी के लिए निर्धारित है, जिसमें परिषद् प्रभारी गुरुवारीय खेलकूद एवं शनिवारीय प्रतियोगिता की तैयारियों का जायजा लेते हैं विद्यार्थी शिक्षक को परिषद् की फाईल बनाना व जाँच करवाना अनिवार्य

कबड्डी खेलती छात्राध्यापिकाएँ

है। इसमें विद्यार्थी शिक्षक द्वारा दी गई प्रस्तुतियां, अनुभवों एवं परिषद् के कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हैं। प्रत्येक गुरुवार को प्रथम दो कालांश में साप्ताहिक खेलकूद का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत कबड्डी और वॉलीबाल के मैच खेले गए।

मेजर ध्यानचन्द जयंती

ध्यानचंद के जीवन में किए गए कार्यों से परिचय करवाया तथा खेलों के माध्यम से अनुशासित जीवन जीने के नियम व एक खिलाड़ी की मेहनत एवं सफलता को प्राप्त करने का रास्ता सीखा। मेजर ध्यानचंद के जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग व कविता की प्रस्तुतियाँ भी दी।

शनिवारीय गतिविधियाँ

एकल गीतः- एकलगीत में प्रथम स्थान चेतन जीनगर तथा द्वितीय स्थान जितेन्द्र कुमार मेवाड़ा व जितेन्द्र कुमार मेघवाल ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

राखी मेकिंगः- अनुपयोगी वस्तुओं से राखी का निर्माण कर विद्यार्थियों ने सृजनात्मकता बढ़ाई। प्रथम स्थान सिद्धि सालवी तथा द्वितीय स्थान गीता डामोर एवं जितेन्द्र कुमार मेवाड़ा ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

मोहनलाल जाट बने प्रधान सम्पादक

संस्थान के व्याख्याता डॉ. मोहनलाल जाट को "तक्षमणी" ललित कला एवं सौन्दर्य पत्रिका का प्रधान सम्पादक बनाया गया। डॉ. मोहनलाल जाट के कई पत्र-पत्रिकाओं में लेख एवं अपने विषय पर अनेक आलेख प्रकाशित हुए हैं तथा इनको कला के क्षेत्र में कई सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

जैविक सब्जियाँ खाओ, स्वास्थ्य पाओ

जिला प्रशासन, उदयपुर द्वारा एक्शन उदयपुर ऐप का शुभारम्भ जनहित में किया गया। ऐप के माध्यम से विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र शहवासियों को जैविक सब्जियों की पौध ग्रो-बेग में लगाकर उपलब्ध करवा रहा है। वर्तमान में बाजार में बिकने वाली सब्जियों में हानिकारक रसायनों की अत्यधिक मात्रा व मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्परिणामों को देखते हुए केन्द्र द्वारा यह कदम उठाया गया है। ग्रो-बेग में शहरवासी अपने परिवार के लिए रसायन मुक्त, ताजी एवं पौष्टिक सब्जियां आसानी से उगा सकेंगे। यह तकनीक ऐसे शहरवासियों के लिए भी लाभकारी होगी जिनके पास सब्जी उगाने के लिए जमीन नहीं है।

एन.एम.ओ.ओ.पी. प्रशिक्षण

एन.एम.ओ.ओ.पी. योजना अन्तर्गत तीन प्रायोजित प्रशिक्षणों में 87 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को तिलहनी फसलों में समन्वित पोषक तत्वों का प्रबंधन हेतु मृदा एवं सिंचाई जल एकत्रित करने की वैज्ञानिक विधि, तिलहनी फसलों का मानव आहार में महत्व एवं उपयोगिता, खरीफ तिलहन उत्पादन की उन्नत तकनीक, तिलहनी फसलों में समन्वित पौध संरक्षण, रबी, तिलहनी फसलों में उन्नत कृषि यंत्रों का महत्त्व एवं भण्डारण की जानकारी दी।

जैविक सब्जी उत्पादन पर प्रदर्शनी

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में शहरवासियों के लिए ग्रो-बैग, छत पर बागवानी एवं ट्रपुलिन बेड में जैविक सब्जी उत्पादन पर प्रदर्शनी लगी। प्रदर्शनी के दौरान जैविक सब्जी उत्पादन का तरीका, जैविक विधि से पौध संरक्षण, वर्मीकम्पोस्ट, वर्मीकम्पोस्ट टी एवं वर्मीखाद बनाने की वैज्ञानिक विधि तथा रसायनिक खेती से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। ग्रो-बैग, वर्मीकम्पोस्ट, सब्जी बीज खरीदने वाले शहरवासियों को विशेष छूट दी गई। विद्या भवन के पूर्व छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

जैविक सब्जी उत्पादन प्रदर्शनी का अवलोकन

बागवानी प्रशिक्षण से सशक्तीकरण

केन्द्र पर 15 दिवसीय आवासीय बागवानी प्रशिक्षण में महिलाओं को फल, फूल एवं सब्जी उत्पादन की नई तकनीकी एवं इनमें आने वाली समस्याओं के साथ छत पर सब्जी उगाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में मिट्टी के कृत्रिम माध्यम में सब्जियों का उत्पादन करने की विधियां बताई।

तिल उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत तिल उत्पादकता बढ़ाने के लिए केन्द्र द्वारा वल्लभनगर तहसील के 6 गांवो में तिल की उन्नत किस्म आर. टी. 351 का प्रदर्शन लगाया गया। इसके तहत किसानों को प्रशिक्षित किया। केन्द्र के शस्य वैज्ञानिक मोती सिंह राठौड ने कहा कि तिलहनी फसलों की उत्पादकता बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ डॉ हकीमुद्दीन ने कृषि के उन्नत यंत्रों के प्रयोग, पादप पौध संरक्षण विशेषज्ञ डॉ दीपक जैन ने समन्वित पादप पौध संरक्षण, रागिनी राणावत ने वैज्ञानिक विधि से तिल भण्डारण की जानकारी दी।

अन्तः राज्यीय उद्यानिकी प्रशिक्षण

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अन्तर्गत केन्द्र ने 51 काश्तकारों हेतु अन्तः राज्यीय दो उद्यानिकी कृषक प्रशिक्षण आयोजित किये। प्रशिक्षण में कृषकों को केन्द्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों का शैक्षणिक भ्रमण, मानव आहार में खाद्यान्न एवं सब्जियों का महत्त्व, फलदार पौधों की रोपाई एवं देखभाल, कम्पोस्टींग की विभिन्न विधियां, उद्यान विभाग द्वारा कृषकों के लिए हितकारी योजनाओं, नर्सरी प्रबंधन, आर. सी.ए. की हाई-टेक नर्सरी एवं उद्यानिकी फार्म का शैक्षणिक भ्रमण, फलदार पौधों में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण एवं निदान, सब्जियों में पौध संरक्षण एवं उद्यानिकी फसलों में सिंचाई जल का समुचित उपयोग बताया।

मछली पालन इकाई की स्थापना

केन्द्र के पास उपलब्ध खेत तलाई में कृषकों को सीखाने के उद्देश्य से मछली की कटला प्रजाति की 1500 फिशरलींग छोड़ी गई। उदयपुर में कृषकों को मछली पालन व्यवसाय से जोड़ने के लिए इस प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन इकाई की स्थापना की गई।

तलाई में फिशरलींग छोड़ते हुए

पशु चिकित्सा पर प्रशिक्षण

राजस्थान ग्रामीण पशुपालन विकास संस्थान जयपुर के 12 पशुधन सहायकों के 30 दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण में प्राथमिक चिकित्सा, गर्भ परीक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधान पर प्रशिक्षण दिया। इनको कृत्रिम गर्भाधान की संस्थाओं से सम्बन्ध करवाकर स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने की योजना है। संभागी उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ एवं भीलवाड़ा जिले के हैं।

केन्द्र पर हुए पशु चिकित्सक प्रशिक्षित

पायस दूध कोपरेटिव, जयपुर द्वारा प्रायोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण में केन्द्र पर 11 पशु चिकित्सकों ने प्रशिक्षण लिया। पशु बांझपन निवारण के तहत केन्द्र पर 3 व 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये जा रहे हैं।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निर्माण

छत्तीसगढ़ राज्य में एस.सी.ई.आर.टी., विद्या भवन एवं अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में पिछले वर्ष बनाई गई कक्षा-9 की पाठ्यपुस्तकों के प्रथम चरण के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के पश्चात् टीम द्वारा पुस्तकों में संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई। अतः पाठ्यपुस्तकों को आवश्यकतानुसार संशोधित कर गणित, हिन्दी, विज्ञान और अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तकों को अन्तिम रूप दिया गया। ये पाठ्यपुस्तकें नवाचारी हैं अतः मूल्यांकन पद्धति में भी

पाठ्यपुस्तकों को अंतिम रूप देते हुए

साइंस सिटी भ्रमण के दौरान नन्हें मुन्ने

पुनर्विचार और संशोधन की गुंजाइश बनी है जिसके मद्देनज़र 29 जुलाई से 1 अगस्त तक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जहां प्रयास किया गया कि विभिन्न विषयों में मूल्यांकन के उद्देश्यों और तरीकों की साझा समझ बने जिसके परिणामस्वरूप आंतरिक व बाह्य मूल्यांकन के प्रारूप उभरे। कक्षा-10 की पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया में विषय समूहों में काम जारी है।

सहरिया स्टडी बारां

शिक्षा संदर्भ केन्द्र, आई.आई.एम. उदयपुर के साथ मिलकर बारां जिले में सहरिया परिवारों के लिए उपलब्ध विकासात्मक सूचकांकों से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए शोध में जुड़ा है जिसके तहत 22,500 परिवारों का सर्वे किया जाना है। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत नवम्बर, 15 में होगी जिसके लिए कार्ययोजना बनाने, टूल्स निर्माण, तकनीकी पहलू, पायलटिंग, सर्वेयरों के चयन की रणनीति बनाना आदि कार्य सम्पन्न हुए।

आई.आई.एम. ड्यूक अध्ययन

सरकारी योजनाओं के पिछड़े वर्गों पर होने वाले प्रभाव को जानने के लिए विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र एवं आई.आई.एम., उदयपुर मिलकर शोध कर रहे हैं जिसके तहत गत तिमाही में 19 गांवों एवं 4 कस्बों से डाटा एकत्र किया गया। इस दौरान नरेगा से संबंधित 590 प्रपत्र, शिक्षा में सकारात्मक कार्यवाही से संबंधित 60 प्रपत्र व 23 क्षेत्रों में समूह चर्चा व चयनित जनप्रतिनिधियों के साथ साक्षात्कार किए गए। फील्ड से प्राप्त डाटा के टेबुलेशन व स्तरीकरण का कार्य साथ-साथ जारी है।

हिन्दी में सामग्री निर्माण

शिक्षा संदर्भ केन्द्र, अज़ीम प्रेमजी युनिवर्सिटी के लिए हिन्दी में स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर स्तर की सामग्री विकसित करने की प्रक्रिया से जुड़ा है। जिसके तहत 'स्कूल ऑफ

विद्या भवन प्रसार इकाई

'समाचार के लिए दृष्टि' कार्यशाला

विद्या भवन की सभी संस्थाओं के रिपोर्ट्स के लिए "समाचार के लिए दृष्टि" (Eey for News) विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28 जून, 2015 को किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य रिपोर्ट्स की अपनी संस्था के रोजमर्रा के कामों में से खबर ढूंढ़ने की नजर विकसत करना एवं उसे बनाना था। दो समाचार-पत्र के संवाददाता संदर्भ व्यक्ति थे। उन्होंने समाचार किस तरह ढूंढा व लिखा जाता है, पर बात की।

कार्यशाला में प्रतिभागियों से मूल्यांकन प्रपत्र भरवाया गया। कार्यशाला का विश्लेषण दो प्रकार से किया गया- (1) कार्यशाला में किए गए कार्यों एवं इनपुट के आधार पर (2) कार्यशाला में प्रतिभागियों ने क्या सीखा, इस आधार पर। पहले आधार पर कार्यशाला को 'अ' श्रेणी में रखा जा सकता है लेकिन

दूसरे आधार पर कार्यशाला को औसतन 10 में से 4 अंक मिले। अतः कार्यशाला में दिए गए इनपुट व प्रतिभागियों के बीच सीखने के संबंध को देखें तो प्रतिभागियों व संदर्भ व्यक्तियों की पृष्ठभूमि व स्तर में फर्क होने से 'दिए गए कार्य' और 'किए गए कार्य' में अन्तराल दिखाई देता है। समग्र रूप से विश्लेषण करने पर पाया कि प्रतिभागी इस तरह की कार्यशाला व उनसे जुड़े मुद्दों पर और स्पष्टता चाहते हैं। अतः ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए।

रिपोर्टर : ज्योति चोरडिया

एज्युकेशन' एवं 'स्कूल ऑफ डवलपमेंट स्टडीज' तथा एक स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम 'स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज' से चयनित सामग्री का हिन्दी में अनुवाद किया जाना है। अगस्त में 2 उन्मुखीकरण कार्यशालाएं आयोजित की गई। इस प्रक्रिया के दौरान अब तक 7 पर्चों का अनुवाद एवं संपादन कर अन्तिम रूप दिया जा चुका है जिन्हें दिसम्बर में ए.पी.यु. के साथ साझा किया जाएगा।

लड़कियों की कबड्डी टीम अव्वल

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा आगामी सत्र के लिए बनाई गई एकीकृत योजना के अनुरूप 11 सेंटर्स के लगभग 600 विद्यार्थियों को अंग्रेजी की 2, गणित की 2 एवं गुजराती की 3 वर्कशीट्स करवाई गई। प्लानिंग मिटिंग के दौरान कक्षावार मासिक गतिविधि और उनके दस्तावेजीकरण की योजना बनाई गई।

शाखा द्वारा चार स्कूलों में तैयार की गई लड़कियों की कबड्डी की टीम ने तालुका स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और वॉलीबाल टीम रनर-अप रही। 'एथलीट्स में नीलम बेन हजीरा प्राथमिक स्कूल ने 100 मीटर की रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खेल गतिविधि में अब तक 300 बच्चे शामिल हो चुके हैं।

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा तीन प्राथमिक स्कूलों के लगभग 600 बच्चों के लिए 2 बाल मेलों का आयोजन किया गया जिसके तहत बच्चों के साथ खेल, कहानी सुनाना, क्ले आर्ट, क्वीज, चित्रांकन आदि गतिविधियाँ की गई। इसी के साथ 2 स्कूलों (वास्वां और जूनागाम) में मेट्रिक मिजर्स भी आयोजित किया गया जिसमें 153 बच्चों ने खेल-खेल में गणितीय अवधारणाओं को समझा।

बच्चों को स्कूल परिसर के बाहर सीखने के मौके उपलब्ध करवाने के लिहाज से धमका स्कूल के 62 बच्चों को 'सरथाना जू' और राजागरी प्राथमिक स्कूल के 70 बच्चों को 'साइंस सिटी' का भ्रमण करवाया गया। बच्चों ने वहां बारिकी से अवलोकन किया तथा बताया कि उन्होंने ऐसे कई जानवरों को पहले कभी नहीं देखा।

शेष पृष्ठ 16 पर...

अनुभव

सुशांत बना जुडो चैम्पियन

हीरे को खरीदते सभी हैं, लेकिन कौनसा हीरा कहां उपयोग में लिया जा सकता है, यह नजरों का फेर है, जो सिर्फ एक जौहरी ही दे सकता है। ऐसा ही कुछ देखने को मिला विद्या भवन पब्लिक स्कूल में। विद्यालय के छात्र सुशांत जैन को यह नहीं पता था कि उसके अंदर एक जूडो चैंपियन छिपा हुआ है। वह कई बार विद्यालय में एक सामान्य खेल की तरह टेबल-टेनिस खेलता रहता। इस दरमियान विद्यालय में खेल प्रशिक्षक देवीलाल रावत की नियुक्ति होती है और वे सुशांत के अंदर छिपी जुडो की प्रतिभा को पहचान लेते हैं। वे उसे जूडो के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सुशांत भी इसके लिए तैयार हो जाता है। मात्र 10 दिन की तैयारी उसे जूडो स्कूल प्रतियोगिता तक ले जाती है। वहां वह 3-4 साल से तैयारी कर रहे खिलाड़ियों को धूल चटा देता है। अब सुशांत को अहसास होता है कि जो धुआं उसने देखा था वह तो कुछ क्षण वाले बादल थे। उसे अहसास होता है कि अपने अंदर की प्रतिभा किसी कोने में दबी रहती है उसे चिनगारी केवल शिक्षक ही दे सकते हैं। सुशांत जुडो में जिला स्तरीय चैंपियन बन कर राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में भरतपुर पहुंचा। सुशांत कहता है कि विद्यालय एवं परिवार जन उसके इस प्रतिभापूर्ण प्रदर्शन पर गर्व कर रहे हैं। उसे एक नया मुकाम मिला है।

-ललित पूर्बिया, हिन्दी शिक्षक, विद्या भवन पब्लिक स्कूल

कुशल इंजीनियर बनीं

विद्या भवन पॉलिटेक्निक में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक सलाह कक्ष है जहाँ संकाय सदस्य प्रवेश व पाठ्यक्रम सम्बंधी जानकारी देते हैं।

कुछ वर्ष पूर्व मैं सलाह कक्ष में उपस्थित थी। एक अभिभावक अपनी बेटी का प्रवेश दिलवाने आए। उन्होंने पाठ्यक्रम की जानकारी ली। बेटी ने पिता से कहा कि वह सिविल अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश लेना चाहती है। अभिभावक के चेहरे पर चिन्ता की लकीरें खिंच गई।

मैंने तत्काल अनुमान लगा लिया कि ये सोच रहे हैं कि इस पुरुष प्रधान समाज में कोई लड़की फील्ड में जाकर सिविल अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का कार्य कैसे कर सकती है। मुझे स्मरण आया कि जब मैंने विद्या भवन में प्रवेश लिया था तब मेरे अभिभावक भी इसी चिन्ता व संशय से गुजरे थे। लेकिन विद्या भवन की विशिष्ठ शिक्षा प्रणाली तथा महिला-पुरुष समानता पर आधारित सबके समान सशक्तीकरण की 80 वर्ष से चली आ रही आज भी प्रासंगिक व्यवस्था ने मुझे एक काबिल सिविल इंजीनियर बना दिया। मेरे अभिभावक, मेरे पति सभी को मुझ पर गर्व है।

मैंने उनसे अपना अनुभव साझा किया और वे तुरंत उनकी बेटी को सिविल इंजीनियरिंग में प्रवेश दिलाने के लिए तैयार हो गये। गाँव की वह भोली, मासूम, गंभीर, होशियार लड़की आज एक कुशल इंजीनियर है।

-मनीषा शर्मा, विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

...पृष्ठ 3 का शेष

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह के तहत वार्ताएं, कविताएं, कहानियां आदि प्रस्तुत की गईं। सप्ताह के अंत में विद्यार्थियों ने वार्ताओं से सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। कविता पाठ में हितेश नागदा, आशुभाषण में हेमन्त चौबीसा प्रथम रहे। जूनियर स्कूल में भी हिन्दी सप्ताह मनाया गया। विद्यार्थियों ने स्वरचित कहानियां लिखी एवं कविताएं प्रस्तुत की।

रेनोवेशन का कार्य पूर्ण

विद्या भवन विद्या बंधु संघ द्वारा गोद लिये गये जूनियर स्कूल का रेनोवेशन कार्य लगभग पूरा हो गया है। अब कक्षाएं नवीन वातावरण में सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। इसके तहत नये बाथरूम का

रेनोवेशन के बाद जूनियर स्कूल का भवन

निर्माण एवं पेयजल के लिए आर.ओ. सिस्टम लगाया गया है। ऊपर की मंजिल में पुस्तकालय, कम्प्यूटर लेब व साइंस लैब की व्यवस्था की जा रही है।

अभिभावकों की चेयर रेस

नर्सरी विभाग की अभिभावक बैठक म्यूज़िकल चेयर रेस से प्रारंभ हुई। तत्पश्चात् अभिभावकों को कार्यक्रमों से अवगत कराया गया तथा बच्चों की प्रगति बताई गई।

विविध वेषभूषा में बच्चे

मॉण्टेसरी दिवस पर कठपुतली प्रदर्शन

नन्हें मुन्नों ने कठपुतली कला का परिचय, उसका संचालन देखा। विभिन्न किरदारों को नाचते गाते देखना जिसमें अनारकली, विद्यालय गेट कीपर, बैण्ड वाला, जुलाहा की पत्नी, सपेरा व जादूगर की विविध कलाओं को सराहा। कठपुतली के माध्यम से स्वच्छता व स्कूल के नियमों की जानकारियां दी।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएँ

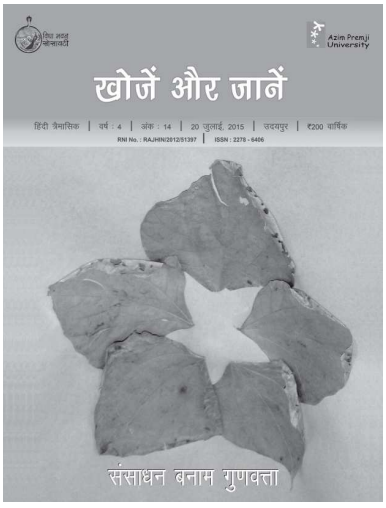

त्रैमासिक पत्रिकाओं में "खोजें और जानें" अंक 14 का प्रकाशन हुआ। "खोजें और जानें" के इस अंक का विषय "संसाधन बनाम गुणवत्ता" पर केंद्रित था। आमतौर पर गुणवत्ता पूर्ण स्कूल शिक्षा के संदर्भ में संसाधनों की कमी का मुद्दा एक चुनौती है। इस अंक में प्रस्तुत सामग्री हमें यह बताने का प्रयास करती है कि किन्हीं भी परिस्थितियों या कारणों के चलते संसाधन न भी उपलब्ध हो पाएं तब शिक्षक की भूमिका और उनके नवाचारों एवं प्रयासों द्वारा शिक्षण कार्य को संभव किया जा सकता है। बच्चों के परिवेश में उपलब्ध मौजूदा संसाधनों के अधिकतम उपयोग, करके सीखने-सिखाने की प्रक्रियाओं को सुचारू किया जा सकता है। इस अंक में सम्मिलित अधिकतर आलेखों में यह बात स्पष्ट झलकती है कि शिक्षकों के प्रयास संसाधनों की कमी को गौण करते हुए सीखने के उद्देश्यों को बखूबी पूरा करते हैं।

...पृष्ठ 15 का शेष

मिंट प्रोजेक्ट

महिला क्षमता संवर्द्धन

चार महिला क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम में 70 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें 3 प.स. सदस्य, 9 सरपंच व 58 वार्डपंच शामिल थीं।

सुरक्षा योजनाओं की जानकारी

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए दो दिवसीय 3 कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें 135 सदस्यों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारियाँ दी गई।

महिला सम्मेलन

पंचायत समिति गोगुन्दा, सायरा व गिर्वा में 3 सम्मेलन आयोजित किए गए जिनमें 63 वार्डपंच, 15 सरपंच, 7 पं.स. सदस्य सहित 85 महिला जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:
Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479